संकट गैस सिलेंडर की नई गाइडलाइन

राहत की जगह बढ़ी आफत, सप्लाई चेन हुई ठप

नवभारत, सिहोरा। केंद्र सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के लिए जारी की गई नई गाइडलाइन उपभोक्ताओं के लिए सुविधा के बजाय मुसीबत का सबब बन गई है। ई-केवाईसी और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की अनिवार्यता ने गैस एजेंसियों पर भारी भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति पैदा कर दी है, जिससे आम जनता को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

अव्यवस्था की मार : घंटों इंतज़ार और सर्वर की सुस्ती

नई गाइडलाइन लागू होते ही गैस एजेंसियों और गोडाउन पर उपभोक्ताओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। ई-केवाईसी (द्र-चङ्क्ष्ट) और नए बायोमेट्रिक नियमों के कारण रिफिल बुकिंग के लिए उपभोक्ताओं को औसतन 3 से 5 घंटे तक कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। इस संकट को 'कोढ़ में खाज' की तरह बढ़ाते हुए सर्वर की सुस्त रफ्तार ने पूरी प्रक्रिया को कछुआ चाल पर ला दिया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस एजेंसी वाले फोन रिसीव नहीं कर रहे हैं, नम्बर लगाने के बाद भी गैस पंहुचने में असुविधा बनी हुई है।

आंकड़ों का संकट : 60% बुकिंग्स पेंडिंग, तकनीक बनी बाधा

तकनीकी खामियां और बायोमेट्रिक मिलान न होना इस समस्या की मुख्य जड़ हैं। वर्तमान में लगभग 60% रिफिल बुकिंग पेंडिंग पड़ी हैं, क्योंकि सर्वर डाउन होने के कारण डेटा प्रोसेस नहीं हो पा रहा है। डिजिटल प्रक्रिया में आ रही इन बाधाओं ने रसोई गैस की पूरी वितरण प्रणाली को अधर में लटका दिया है, जिसका सीधा असर आम आदमी की रसोई पर पड़ रहा है।

होम डिलीवरी सिस्टम पूरी तरह चरमराया

नियमों के फेर में घर-घर होने वाली सिलेंडर डिलीवरी का सिस्टम पूरी तरह लड़खड़ा गया है। पिछले तीन दिनों में रिफिल सप्लाई में 40% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। एजेंसी संचालकों और उपभोक्ताओं के बीच बढ़ते तनाव ने जमीनी हालात को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है, जिससे जनता का आक्रोश सड़कों पर नजर आने लगा है।

5वीं और 8वीं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन ने पकड़ी रफ्तार

अवकाश का मिला लाभ

नवभारत, सिहोरा। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा में संचालित कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य ने अब गति पकड़ ली है। शुरुआत में शिक्षकों की कमी के कारण आ रही चुनौतियां अब काफी हद तक दूर हो गई हैं और मूल्यांकन कार्य संतोषप्रद स्थिति में पहुँच गया है।

अवकाश और गैप से बढ़ी मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या

मूल्यांकन कार्य में आ रही सबसे बड़ी बाधा स्थानीय परीक्षाओं का बोझ था। हालांकि, प्राथमिक (कक्षा 3 व 4) और माध्यमिक (कक्षा 6 व 7) की स्थानीय परीक्षाओं में बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को चार दिनों का निरंतर गैप होने के कारण मूल्यांकन केंद्र पर शिक्षकों की उपस्थिति में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। इस समय का सदुपयोग करते हुए शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य को युद्धस्तर पर आगे बढ़ाया है, जिससे अब कार्य समय सीमा में पूर्ण होने की उम्मीद जगी है।

मजबूत प्रशासनिक ढांचा और ऑनलाइन फीडिंग

बीईओ अरविंद सिंह धुर्वे और बीआरसीसी बृजेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है। प्राचार्य बी.एस. परस्ते और विनोद पटेल के निर्देशन में विद्यालय के स्ट्रांग रूम से उत्तर पुस्तिकाओं का सुरक्षित वितरण और संकलन किया जा रहा है। तकनीकी सटीकता सुनिश्चित करने के लिए हेड वैल्यूअर अशोक तिवारी ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के तत्काल बाद अंकों की प्रविष्टि सीधे राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल पर ऑनलाइन की जा रही है। इससे परिणाम घोषित करने में मानवीय त्रुटि की संभावना न्यूनतम रहेगी।

अनुभवी विशेषज्ञों की टीम संभाल रही मोर्चा

गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक विभाग के पृथक-पृथक लगभग 40 विषय विशेषज्ञों को तैनात किया गया है। मूल्यांकन दल में शामिल प्रमुख अधिकारियों और सहयोगियों की भूमिका इस प्रकार है।

मूल्यांकन केन्द्र प्रभारी: बी. एस. परस्ते (प्राचार्य), विनोद पटेल (प्रभारी प्राचार्य) प्रशासनिक सहयोग: बी.ए.सी. अश्वनी उपाध्याय, कंट्रोल रूम प्रभारी आर. के. नेमा सहायक केन्द्र प्रभारी: अशोक तिवारी (5वीं), रामशरण बागरी (8वीं) जन शिक्षक: संजीव गुप्ता कक्षावार हेड वैल्यूअर्स एवं सहयोगी टीम:विभाग हेड वैल्यूअर एवं प्रमुख सहयोगी कक्षा 5वीं अभिषेक उरमलिया (हेड वैल्यूअर), संदीप पटेल, अनिल विश्वकर्मा, आशीष पहारिया कक्षा 8वीं अशोक साहू (हेड वैल्यूअर), राम किशोर, संजीव उरमलिया, नीलेश शुक्ला, मनीष विश्वकर्मा, अब्दुल रहीम खान। सहयोगी अर्जुन गर्ग,योगेन्द्र मिश्रा, सतीष तिवारी, ए के अग्निहोत्री हैं।

षड्यंत्र से हड़पी आदिवासी की जमीन! फर्जी रजिस्ट्री कर कंपनी ने किया कब्जा

सिहोरा में सामने आया चौंकाने वाला मामला, पीड़ित ने एसडीएम से लगाई न्याय की गुहार

नवभारत, सिहोरा। सिहोरा तहसील में एक गरीब आदिवासी की जमीन कथित तौर पर षड्यंत्र रचकर हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक कंपनी ने पहले डमी व्यक्ति के नाम फर्जी रजिस्ट्री करवाई और बाद में प्रभाव का इस्तेमाल कर जमीन अपने नाम करा ली। मामले की शिकायत एसडीएम सिहोरा से की गई है, जिसके बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है।

सिहोरा क्षेत्र में भोले-भाले आदिवासियों की जमीन पर कब्जा करने के मामलों पर भले ही प्रदेश स्तर पर जांच चल रही हो, लेकिन मायनिंग माफियाओं की गतिविधियां थमती नजर नहीं आ रही हैं। ताजा मामला ग्राम गिदुरहा का है, जहां एक आदिवासी की जमीन कथित तौर पर फर्जी तरीके से हड़पने का आरोप सामने आया है। पीड़ित सुरेश कोल ने बताया कि उसने ग्राम गिदुरहा स्थित खसरा नंबर 713/1, रकबा 0.450 हेक्टेयर भूमि वर्ष 2011 में विक्रेता सीताबाई बेवा बेडीलाल व अन्य से विधिवत विक्रय पत्र के माध्यम से खरीदी थी। वर्षों से उक्त भूमि उसके कब्जे में रही, लेकिन हाल ही में जब उसने भूमि का खसरा नकल निकलवाया तो उसे पता चला कि जमीन की पुन: रजिस्ट्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दी गई है। आरोप है कि एक कथित कंपनी ने षड्यंत्रपूर्वक अपने डमी उम्मीदवार के नाम जमीन की रजिस्ट्री करवाई और इसके बाद अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए जिला कलेक्टर से अनुमति प्राप्त कर भूमि को अपने नाम दर्ज करा लिया। जमीन हड़पने की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) सिहोरा को शिकायत देकर मामले की जांच कराने और अपनी जमीन वापस दिलाने की मांग की है। प्रशासन ने शिकायत मिलने के बाद मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। पीड़ित सुरेश कोल का कहना है कि यदि उसे न्याय नहीं मिला तो वह इस मामले की शिकायत जिला कलेक्टर के साथ-साथ सिविल न्यायालय में वाद दायर कर करेगा।

दुकान में लटकी मिली संचालक की लाश

नवभारत, जबलपुर। गढ़ा थाना क्षेत्र में पान दुकान संचालक ने अपनी दुकान के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने यह आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक नितिन साहू 25 वर्ष निवासी जोशी मोहल्ला गढ़ा पुरवा ने सूचना दी कि उसका छोटा भाई नवीन साहू 22 घर में ही पान की दुकान चलाता था। बीती रात लगभग 1 बजे घर तक घर में था बुधवार सुबह लगभग 5 बजे नवीन ने दुकान में पंखे से कपड़े फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

हनुमान जन्मोत्सव में भगवामय होगा सिहोरा खितौला

बैठक में लिया गया निर्णय

नवभारत, सिहोरा। हिन्दू उत्सव समिति के तत्वावधान में इस बार भी हनुमान जन्मोत्सव भव्यता के साथ मनाने के संबंध में काल भैरव चौक में विशाल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जन्मोत्सव पर सम्पूर्ण सिहोरा खितौला क्षेत्र को धर्म ध्वजा से भगवामय करने का निर्णय लेने के साथ वाहन रैली के मार्ग की भी चर्चा हुई।

सिहोरा खितौला में वाहन रैली का मार्ग

हनुमान जन्मोत्सव पर वाहन रैली बाबा शाला से सुबह 08:30 बजे प्रारंभ होकर मझौली बायपास, गढ़िया मोहल्ला, झंडा बाजार, आजाद चौक,गौरी तिराहा,नया बस स्टैंड से वापस बाबा शाला पहुंच कर कटरा मोहल्ला,झंडा बाजार, कालभैरव चौक,महावीर चौक, मैना कुआं,हरदौल मंदिर, बाबाताल से पेट्रोल पंप तिराहा, फोर लेन हाइवे, पहरेवा कृषि उपज मंडी के सामने से खितौला बाजार,रेलवे फाटक से पान उमरिया रोड,विंध्य वासनी मंदिर से मझंगवा बायपास,नरसिंह मंदिर, बारा मोहल्ला,तुलसी मानस मंदिर, पुन:रेलवे फाटक खितौला बस स्टैंड,पेट्रोल पंप तिराहा से बाबा ताल होते हुए पुराना बस स्टैंड सिहोरा में हिन्सदू महाकुंभ के रुप में समापन होगा। जहां पर महा आरती के साथ विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा। बैठक में हर वार्ड की दुर्गा, गणेशोत्सव समितियों के साथ सभी सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक संगठनों ने हिस्सा लेकर अपने विचार रखे।

ईश्वरदास पटेल का निधन

नवभारत,बेलखाडू। बेलखाडू के पास ग्राम नगना निवासी ईश्वरदास पटेल का 86 वर्ष की आयु में विगत दिवस निधन हो गया है। आप ओमेश्वर पटेल के भाई, मुनीमसाब, शीलकुमार, राजेंद्र, आशीष पटेल के चाचा थे। अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम ग्राम नगना में संपन्न हुआ।

फिल्मी अंदाज में बाइक सवार बदमाश ने हाईवे पर महिला से मंगलसूत्र लूटा

पुलिस ने आरोपी को दबोचा

नवभारत, जबलपुर। जबलपुर-कटनी नेशनल हाईवे पर गंजताल मोड़ के पास एक बाइक सवार बदमाश ने फिल्मी अंदाज में महिला पर झपट्टा मारकर मंगलसूत्र लूट लिया। पीड़ित परिवार ने राहगीरों की मदद से लुटेरे को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब डेढ़ लाख रुपये का मंगलसूत्र और वारदात में इस्तेमाल बाइक जब्त कर ली है।

टीआई प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि अधारताल संजयनगर निवासी जितेंद्र नामदेव (38) अपनी पत्नी नेहा, पुत्र हिमांशु और पुत्री इसिका के साथ बाइक एमपी 20 एन जे 0870 पर सवार होकर अपनी बहन के घर आयोजित शादी समारोह से लौट रहे थे। शाम करीब 5:30 बजे जैसे ही वे गंजताल मोड़ के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे एक नकाबपोश युवक ने उनकी चलती बाइक के पास आकर नेहा के गले से झपट्टा मारकर सोने का मंगलसूत्र खींच लिया।

सड़क पर गिरी दोनों बाइकें, महिला हुई घायल

छीना-झपटी के दौरान संतुलन बिगड़ने से पीड़ित परिवार की मोटरसाइकिल और लुटेरे की बाइक दोनों सड़क पर गिर गईं। हादसे में नेहा नामदेव के पैर में चोट आई है। आरोपी गिरने के बाद भी टूटा हुआ मंगलसूत्र लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन जितेंद्र और वहां मौजूद लोगों ने उसे दबोच लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहुंचकर लुटेरे सोनू राजपूत पिता मलखान सिंह राजपूत, 20 वर्ष निवासी ग्राम रामसलैया, थाना जबेरा जिला दमोह को दबोच लिया।

मेडिकल छात्रा, युवक से भी लूट

गढ़ा थाना क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा और अधारताल थाना में युवक पर लुटेरों ने झपट्टा मारकर मोबाइल लूट लिए। गढ़ा पुलिस के अनुसार शांतिनगर परसवाड़ा निवासी श्रेया साखरे मेडिकल कॉलेज में डायलिसिस टेक्नीशियन द्वितीय वर्ष की छात्रा है, दोपहर करीब 3:30 बजे कॉलेज से पैदल अपने घर धनवंतरी नगर जा रही थी। रास्ते में वह अपने मोबाइल पर बात कर रही थी। छात्रा जैसे ही सुपर स्पेशलिटी अस्पताल गेट के आगे धनवंतरी नगर रोड पर मटका वाले की दुकान के समीप पहुंची, पीछे से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पर दो युवक आए और छात्रा के हाथ से मोबाइल छीन लिया। इसी प्रकार अधारताल पुलिस ने बताया कि पुष्पक नगर गली नंबर 3 निवासी सतीश कुमार मिश्रा (36) इंदौर में निजी कार्य करते हैं, बीती रात करीब 9 बजे धनी की कुटिया रोड से पैदल अपने घर जा रहा था। जब वे आलोकनगर हनुमंत चौक के पास पहुँचा और बात करने के लिए अपना मोबाइल निकाला, तभी पीछे से एक बिना नंबर की स्कूटी पर दो लड़के आए और सतीश के हाथ से मोबाइल झपटाकर भाग गए।

हल्का क्षेत्र छोड़ शहर में रह रहे पटवारी?

आरटीआई में खुला मामला सूचना छिपाने पर प्रशासन कटघरे में'

नवभारत,मझौली। तहसील मझौली में पटवारियों के हल्का क्षेत्र में अनिवार्य निवास को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। सूचना का अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाने से अब पूरा मामला प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े कर रहा है।

जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई

मझौली निवासी शिवम साहू ने 12 दिसंबर 2025 को तहसील कार्यालय मझौली के लोक सूचना अधिकारी को आरटीआई आवेदन देकर पूछा था कि हल्का क्षेत्र में नियुक्त पटवारी अपने-अपने क्षेत्र में निवास कर रहे हैं या नहीं, तथा इस नियम का पालन किस प्रकार कराया जा रहा है। लेकिन आरोप है कि निर्धारित 30 दिनों की समय-सीमा बीत जाने के बाद भी स्पष्ट और प्रमाणित जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

सूचना नहीं मिलने से आक्रोशित आवेदक ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिहोरा के समक्ष प्रथम अपील दायर कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रथम अपीलीय अधिकारी ने तहसीलदार एवं लोक सूचना अधिकारी मझौली से जवाब मांगा है और 11 मार्च 2026 को सुनवाई की तिथि निर्धारित की गई है।माना जा रहा है कि यदि पटवारी अपने निर्धारित हल्का क्षेत्र में निवास नहीं कर रहे हैं तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा और राजस्व संबंधी अन्य कार्यों के लिए ग्रामीणों को बार-बार तहसील या शहर के चक्कर लगाने पड़ते हैं। आरटीआई के जरिए उठे इस मुद्दे ने अब यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वर्षों से सेवा नियमों का उल्लंघन हो रहा था और उसे छिपाने की कोशिश की जा रही थी? यदि ऐसा पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की तलवार भी लटक सकती है। आवेदक का कहना है कि यदि प्रथम अपील में भी पूरी जानकारी नहीं दी गई तो वे राज्य सूचना आयोग में द्वितीय अपील दायर कर जुर्माना और मुआवजे की मांग करेंगे। अब सभी की नजर 11 मार्च की सुनवाई पर टिकी है, जहां यह तय होगा कि सच सामने आता है या प्रशासनिक चुप्पी बरकरार रहती है।

अव्यवस्था दुर्गंध और गंदगी से रहवासी परेशान, हाथ पर हाथ धरे बैठे नगर पालिका के जिम्मेदार

पर्याप्त संसाधनों के बावजूद पनागर में बस्ती के बीच कचरे का ढेर

नवभारत, पनागर। नगर पालिका पनागर के पास पर्याप्त संसाधन होने के बावजूद नगर की घनी बस्ती के बीच कचरा डंप किया जा रहा है। इससे आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध और गंदगी फैल रही है, जिसके कारण हजारों लोग परेशान हैं। जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते लोग गंदगी के बीच जीवन यापन करने को मजबूर हो गए हैं।जानकारी के अनुसार जगमोहन वार्ड स्थित एक खाली पड़ी जमीन को कचरा डंपिंग ग्राउंड बना दिया गया है, जहां सैकड़ों टन कचरा जमा हो चुका है। इस क्षेत्र में मंगल भवन, श्मशान घाट, पंप हाउस, बलैहा तालाब सहित तीन वार्ड आते हैं। कचरे के इस ढेर से करीब दो हजार से अधिक की आबादी प्रभावित हो रही है। स्थिति और भी गंभीर इसलिए हो गई है क्योंकि कचरे के ढेर के आसपास स्कूल और छात्रावास भी संचालित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कचरा नहीं हटाया गया तो

क्षेत्र में संक्रमण और बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ सकता है।

स्वच्छता रैंकिंग पर भी पड़ सकता है असर

एक ओर नगर पालिका द्वारा समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाकर नगर में सफाई व्यवस्था का दावा किया जाता है, वहीं दूसरी ओर इस डंपिंग ग्राउंड की ओर किसी का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्वच्छता रैंकिंग को लेकर समय-समय पर टीमें भी नगर का निरीक्षण करती हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर पालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम उठाते नजर नहीं आ रहे हैं।

नगरवासियों का कहना है कि यदि निरीक्षण टीम इस क्षेत्र में पहुंची तो नगर की स्वच्छता रैंकिंग पर भी असर पड़ सकता है।

करीब 100 सफाई कर्मचारी कार्यरत

1 जेसीबी कचरा प्रबंधन के लिए
1 ट्रैक्टर-ट्रॉली से कचरा परिवहन
4 ट्रिपर 15 वार्डो से कचरा उठा रहे
5 स्वास्थ्य अधिकारी व्यवस्था देख रहे

इनका कहना है

बीमारियों का बढ़ा खतरा

दिलीप पटेल (रहवासी) का कहना है कि जगमोहन वार्ड स्थित शासकीय अस्पताल, स्कूल, छात्रावास, मंगल भवन, पंप हाउस और श्मशान घाट के समीप खुले इलाके में सफाई कर्मचारी गाड़ियों से कचरा लाकर बस्ती के बीच डंप कर रहे हैं। इससे क्षेत्र में गंदगी फैल रही है और दुर्गंध के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

घरों तक पहुंच रही गंदगी

मनोज कुमार यादव (रहवासी)का कहना है कि नगर पालिका के पास पर्याप्त संसाधन होने के बाद भी बस्ती के बीच कचरा डंप किया जा रहा है। गर्मी और बारिश के मौसम में स्थिति और खराब हो जाती है। गर्मी में उड़कर कचरा घरों तक पहुंच जाता है, जिससे लोगों को दुर्गंध और गंदगी का सामना करना पड़ता है।

प्लांट भेजा जा रहा कचरा : सीएमओ

इस संबंध में सीएमओ आशीष शर्मा का कहना है कि कचरा प्रबंधन के लिए जमीन चिन्हित की जा रही है और कचरे को हर दो दिन में प्लांट भेजा जा रहा है